कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर पुलिया से नीचे गिरी ट्रैवलर, आठ की मौत एवं 17 घायल

वाहन चालक को झपकी आने से ट्रैवलर पुलिया से नाले में गिर गई, 25 लोग सवार थे

कोटा, (निसं)। कोटा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में आठ यात्रियों की जान चली गई, जबकि 17 लोग घायल हो गए। हादसा सीमलिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत सुबह करीब सात बजे हुआ, जब मध्यप्रदेश से जयपुर जा रहा एक ट्रैवलर वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पुलिया से करीब 20 फीट नीचे बरसाती नाले में जा गिरा।

सीमलिया थाना अधिकारी नंद सिंह ने बताया कि ट्रैवलर ने कराड़िया टोल प्लाजा पार किया था और सुल्तानपुर की ओर बढ़ रही थी। उसी दौरान तेज रफ्तार ट्रैवलर के चालक को अचानक नींद की झपकी आ गई। स्पीड अधिक होने के कारण वाहन से नियंत्रण पूरी तरह छूट गया। सड़क पर लगे मजबूत डिवाइडर को तोड़ते हुए पुलिया के बीच से सीधे नीचे नाले में जा गिरी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैवलर का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और भीतर बैठे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और इन लोगों को 20 फीट नीचे नाले से बाहर निकाला गया। जहां से घायलों को एंबुलेंस के जरिए मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल और एमबीएस हॉस्पिटल ले जाया गया। घटना के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी नए अस्पताल पहुंचे और

हादसे के बाद क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त ट्रैवलर को नाले में से बाहर निकाला।

मरीजों से मुलाकात की है। उसके बाद उन्होंने पूरे घटनाक्रम में जांच के आदेश भी दिए हैं। प्रशासन को तत्काल मरीजों को उचित और बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। दुर्घटना के तत्काल बाद कोटा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक हरेंद्र महावर और कार्यवाहक संभागीय आयुक्त व कोटा जिला कलेक्टर पियूष समारिया एमबीएस अस्पताल पहुंचे। कलेक्टर का कहना है कि दुर्घटना के तत्काल बाद अस्पतालों को अलर्ट मोड पर कर दिया गया था। गंभीर घायल मरीजों को आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया।

दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि हादसे में 17 लोग घायल हैं। इस ट्रैवलर में करीब 25 लोग सवार थे।

एमबीएस अस्पताल पहुंचे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटा ग्रामीण राम कल्याण मीणा ने बताया इस टूर को ले जा रहे व्यक्ति के भी चोट लगी है। यह सभी लोग भोपाल और बैतूल के आसपास के हैं। मरने वाले आठ लोगों में वैष्णवी, तृषा, अरुणा, कृष्णा, अनीता, ओम सूर्यवंशी और ड्राइवर अज्ञात है। इनके शव को मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में रखा गया है जबकि एक रानू बोड़वे की मौत एमबीएस में हो गई है। रानू मध्य प्रदेश के भोपाल के राजीव नगर निवासी है। घायलों में हेमलता गायकवाड़, अजय, वंशिका मोनिशा, चित्रेश और सारांश शामिल हैं। इनका उपचार मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में चल रहा है, जबकि एमबीएस में चेतन, क्रिश्वी, वैदेही, नीलू गुड़के, संतोष वर्षा और कमलेश हैं। मृतक और घायल सभी लोग आपस में रिश्तेदार और पारिवारिक दोस्त हैं।

कोटा में हुए दर्दनाक हादसे के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कड़ा रुख अपनाया है। घटना की सूचना मिलते ही वे तुरंत नए अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और ढांढस बंधाया। लोकसभा अध्यक्ष ने पूरे घटनाक्रम को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। उन्होंने कोटा जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को एक विशेष जांच कमेटी गठित करने के निर्देश दिए हैं। इस कमेटी की रिपोर्ट में जो भी तथ्य (फैक्ट्स) सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ओम बिरला ने कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे सहित अन्य सभी प्रमुख हाईवे पर सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिन जगहों पर बार-बार दुर्घटनाएं होती हैं, ऐसे ब्लैक स्पॉट्स को चिन्हित कर लिया गया है और भविष्य में हादसों को रोकने के लिए वहां जरूरी इंतजाम किए जाएंगे। इन सभी व्यवस्थाओं और सड़कों को दुरुस्त करने के लिए नवम्बर महीने में एक अहम बैठक बुलाई जाएगी। इस बैठक में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया, पीडब्ल्यूडी और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल होंगे, ताकि सभी जर्जर और खतरनाक सड़कों को समय रहते ठीक किया जा सके। वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर भोपाल से खाटूश्यामजी जा रही मिनी बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से हुई जनहानि का समाचार अत्यंत दुखद है। संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार एवं प्रभावितों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के दिशा-निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने लिखा कि ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

- **हादसे के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कड़ा रुख अपनाया, कलैक्टर और एस पी विशेष जांच कमेटी गठित करने के निर्देश दिए**
- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर गहरा दुख जताया है, सीएम ने अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार एवं प्रभावितों को सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए**

विराटनगर के देवनगर बीलवाड़ी में पैंथर का आतंक

पैंथर ने बाड़े में घुसकर बकरियों पर हमला किया

पावटा, (निसं)। विराटनगर तहसील क्षेत्र के देवनगर बीलवाड़ी गांव में पैंथर की लगातार आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बुधवार देर रात करीब एक बजे पैंथर शंकरलाल चेची उर्फ पप्पू चेची के घर में बने बाड़े में घुस गया और बकरियों पर हमला कर दिया। बाड़े में करीब 50 बकरियां मौजूद थीं। हमले के दौरान पास में सो रहे पप्पू चेची की नींद खुल गई, लेकिन इसके बावजूद पैंथर दो से तीन बकरियों पर झपट पड़ा। घटना के बाद पशुपालकों में अपने मवेशियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

ग्रामीणों के अनुसार, देवनगर बीलवाड़ी क्षेत्र में पिछले करीब दो महीनों से पैंथर लगातार दिखाई दे रहे हैं। कई बार तीन पैंथर एक साथ नजर आने की बात भी सामने आई है। ग्रामीणों का कहना है कि पैंथर रात के समय आबादी क्षेत्र के आसपास घूमते हुए घरों के बाड़ों में घुसकर पालतू पशुओं को निशाना बना रहे हैं। इससे पशुपालकों में भय व्याप्त है और लोग रातभर अपने पशुओं की रखवाली करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का दावा है कि पिछले दो महीनों के दौरान पैंथर करीब 10 बकरियों, एक बछड़े और तीन पालतू कुत्तों का शिकार कर चुके हैं। लगातार हो रही घटनाओं से पशुपालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो पशुओं पर हमले की घटनाएं बढ़ सकती हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, पैंथर की आवाजाही और पालतू पशुओं पर हमलों की जानकारी कई बार वन विभाग के कर्मचारियों को दी जा चुकी है। इसके बावजूद क्षेत्र में पिंजरा लगाने या पैंथर की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया जा रहा है।

ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में नियमित निगरानी बढ़ाने, पैंथर को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने और पशुपालकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

लाडनूं में 100 से अधिक वाहन जब्त, दस जने गिरफ्तार

लाडनूं, (निसं)। शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और रात के समय अकारण घूमने वाले लोगों पर अंकुश लगाने के लिए लाडनूं पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने रातभर अभियान चलाकर 100 से अधिक वाहनों को जब्त किया, वहीं 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। एसपी प्यारेलाल शिवरान के निर्देश पर सीआई शिम्भू दयाल मीणा के नेतृत्व में पुलिस जाब्ते ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान तेज गति से वाहन चलाने वालों, रात के समय अकारण घूमने वालों और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों पर पुलिस ने कार्रवाई की।

रामराज की स्थापना के लिए कर्तव्यों के प्रति सजगता आवश्यक : सीएम भजनलाल शर्मा

रामकथा में शामिल होने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जोधपुर पहुंचे

जोधपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जोधपुर में रामकथा के दौरान युवाओं से धार्मिक ग्रंथों और भारतीय संस्कृति से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि रामायण पढ़ने का समय नहीं मिले तो सुंदरकांड पढ़ें। सीएम ने कर्तव्यों के पालन, बुजुर्गों के सम्मान और समाज में समरसता को रामराज की स्थापना के लिए जरूरी बताया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति कर्तव्यों पर आधारित रही है और इन्हीं कर्तव्यों के पालन से रामराज्य की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि आज समाज में अधिकारों की चर्चा अधिक होती है, जबकि कर्तव्यों के प्रति सजगता आवश्यक है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि कर्तव्यनिष्ठा और संस्कारों के माध्यम से ही हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्र को सशक्त बना सकते हैं।

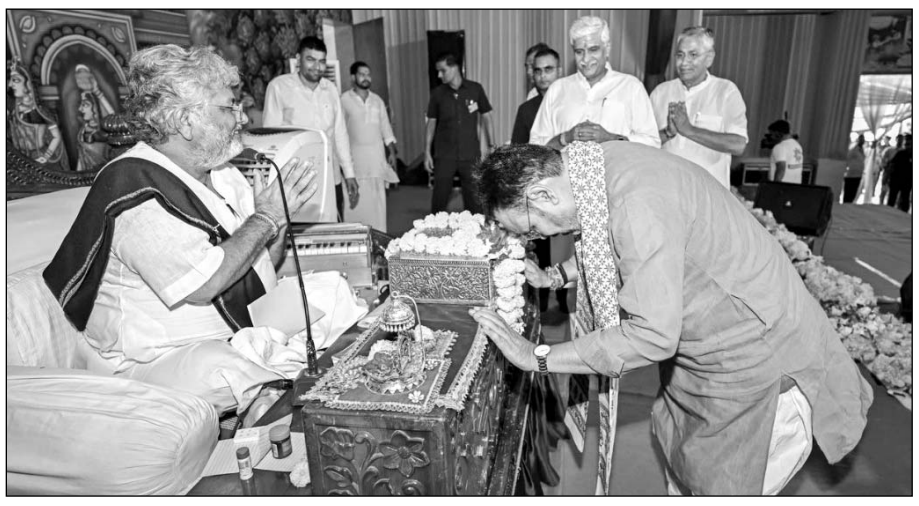

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जोधपुर के ग्राम केलावा खुर्द स्थित केशव प्रिया गोशाला में आयोजित दिव्य रामकथा एवं नवकुण्डीय यज्ञ कार्यक्रम में पहुंचे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को जोधपुर जिले के ग्राम केलावा खुर्द स्थित केशव प्रिया गोशाला में आयोजित दिव्य रामकथा एवं नवकुण्डीय यज्ञ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने व्यासपीठ के संत मुरलीधर महाराज से भेंट कर उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि संत, महंत और ऋषि-मुनि सदैव समाज को सही मार्ग दिखाने का कार्य करते आए हैं। हमारी हजारों वर्षों पुरानी संस्कृति और परंपराएं आज भी समाज को जीवन जीने की दिशा प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि संतों के सान्निध्य में बिताया गया थोड़ा समय भी जीवन को नई सीख और प्रेरणा प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन आदर्श आचरण और कर्तव्यपालन की प्रेरणा देता है। रामायण और अन्य धार्मिक ग्रंथों में जीवन के महत्वपूर्ण मूल्य समाहित हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी के पास संपूर्ण रामायण पढ़ने का समय नहीं है तो वह सुंदरकांड का पाठ अवश्य करे, उसमें जीवन का सार मिलता है। भगवान श्रीकृष्ण ने भी कर्म को सर्वोपरि बताते हुए कर्म करने और फल की चिंता न करने का संदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले परिवारों में बुजुर्ग बच्चों को रामायण, महापुरुषों एवं ऋषि-मुनियों के प्रेरक प्रसंग सुनाते थे, जिससे नई पीढ़ी को संस्कार और जीवन मूल्य प्राप्त होते थे। बदलते समय में यह परंपरा धीरे-धीरे कम होती जा रही है।

इस अवसर पर केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, संसदीय कार्य, विधि एवं विधि कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, सांसद पी.पी. चौधरी, जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई, विधायक भैराराम सियोल, अर्जुन लाल गर्ग, अतुल भंसाली, प्रियंका चौधरी, पब्बाराम विश्नोई सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, संतजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बोरवेल में गिरा मासूम भोमाराम जिंदगी की जंग हारा, गांव में पसरा मातम

जोधपुर, (कासं)। फलोदी जिले के लोहावट क्षेत्र की ग्राम पंचायत नौसर स्थित पूनिया की ढाणी में बोरवेल में गिरे नौ वर्षीय मासूम भोमाराम को आखिरकार लंबे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शनिवार को बाहर निकाल लिया गया। बच्चे को बाहर निकालने के तुरंत बाद एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन दुखद खबर यह रही कि मासूम भोमाराम जीवन की जंग हार चुका था। मासूम की मौत की खबर से परिवार सहित पूरे गांव में कोहराम मच गया। पूरे क्षेत्र में शोक की लहर छा गई।

जानकारी के अनुसार भोमाराम गुरुवार दोपहर करीब 12.35 बजे बोरवेल में गिर गया था। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन, पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और मासूम को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया था। बच्चे को बचाने के लिए लगातार प्रयास किए गए, लेकिन बोरवेल के अंदर मौजूद पत्थरों और अन्य बाधाओं के कारण अभियान में काफी मुश्किलें आईं। रेस्क्यू अभियान के दौरान बोरवेल में करीब 610 फीट की गहराई पर पत्थर का अवरोध सामने आया। वहीं, बच्चे के ऊपर पानी गिरने की जानकारी ने बचाव दल की चिंता बढ़ा दी। पत्थर के कारण कैमरे को नीचे तक पहुंचाने और बच्चे की स्थिति का स्पष्ट पता लगाने में भी परेशानी हुई। ऑक्सीजन पहुंचाने के प्रयासों में भी बाधाएं आईं। बचाव दल ने बच्चे तक पहुंचने के लिए कई तरीके अपनाए, लेकिन शुरुआती प्रयासों में सफलता नहीं मिली। इसके बाद देसी जुगाड़ के माध्यम से मासूम को बाहर निकालने की रणनीति बनाई गई।

लगातार प्रयासों के बावजूद सफलता नहीं मिलने पर मादाराम सुथार की टीम देसी जुगाड़ लेकर मौके पर पहुंची। टीम ने बोरवेल की स्थिति का आंकलन करते हुए लोहे के सरियों की मदद से विशेष उपकरण तैयार किया और उसके जरिए बच्चे को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। काफी देर तक चले संघर्ष और लगातार मेहनत के बाद आखिरकार बचाव दल को सफलता मिली और मासूम भोमाराम को बोरवेल से बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद उसे तत्काल एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। उसकी मौत हो चुकी थी। बच्चे की मौत की खबर से पूरे गांव में मातम पसर गया। कई घरों में दुल्हे तक नहीं जले।

- **नौ वर्षीय मासूम भोमाराम को लंबे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शनिवार को बाहर निकाल लिया**
- **रेस्क्यू अभियान के दौरान बोरवेल में करीब 610 फीट की गहराई पर पत्थर का अवरोध सामने आया था**
- **फलोदी के लोहावट क्षेत्र की ग्राम पंचायत नौसर स्थित पूनिया की ढाणी में नौ वर्षीय मासूम बोरवेल में गिर गया था**

ट्रेन से गिरने से दो युवकों की मौत, मौके पर तीन मोबाइल मिले

जोधपुर, (कासं)। मेड़ता से जोधपुर की तरफ आ रही एक ट्रेन से दो युवक गिर गए। हादसे में दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना शुक्रवार की है। शुनिवार सुबह दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। मृतकों के पास में तीन मोबाइल भी मिले हैं, जिनकी पुलिस अब जांच कर रही है। वे ट्रेन से गिरे अथवा अन्य कोई कारण रहा, फिलहाल पुलिस की गहनता से जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया ट्रेन से गिरना बताया गया है। दोनों मृतक ओसियां के रहने वाले थे।

बनाड़ थानाधिकारी सुरेश सारण ने बताया कि शुक्रवार की सुबह सवा आठ बजे के आसपास पुलिस को सूचना मिली कि कुतड़ी बनाड़ रेलवे फाटक के पास ट्रेक के नजदीक दो युवकों के शव पड़े हैं। इस पर पुलिस वहां मय जाब्ते के पहुंची। बाद में उनके कपड़ों आदि की तलाशी ली गई।

पुलिस ने उनके फोटो भी सोशल मीडिया पर डाले। इस पर उनकी पहचान ओसियां के हाणिया निवासी 18 साल के भूपेंद्र पुत्र खेमाराम और ओसियां जाटीपुरा निवासी जितेंद्र पुत्र राणाराम मेघवाल के रूप में हुई। थानाधिकारी सुरेश सारण के अनुसार पास में तीन मोबाइल फोन मिले थे, साथ ही उनके ट्रेन से गिरने का प्रथम दृष्टया पता लगा है। ट्रेन संख्या 14804 है, जोकि मेड़ता से जोधपुर की तरफ आ रही थी। मृतक जितेंद्र के पिता राणाराम की तरफ से फिलहाल मर्ग में रिपोर्ट दी गई है। अग्रिम अनुसंधान जारी है। शवों का आज पोस्टमार्टम करवाया गया है।

एएसआई सहित अन्य पर अपहरण का आरोप

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पूर्व के माता का थान पुलिस थाने के एएसआई सहित तीन-चार अन्य पर अपहरण किए जाने का आरोप लगा है। पीड़ित से उसकी गाड़ी छीनने और ले जाने की बात सामने आई है। गाड़ी और पैसों के लेनदेन का आरोप लगा है। दूसरी पार्टी नागौर की है और स्थानीय पुलिसकर्मी को साथ लेकर यह वारदात की गई। मामले में जांच थानाधिकारी अनिल यादव की तरफ से की जा रही है।

- **पीड़ित से गाड़ी छीनने और ले जाने की बात सामने आई**

माता का थान पुलिस के अनुसार पीपाड़ शहर के कोसाना बंदिया बेरा मालियों की ढाणी निवासी विकास माली पुत्र चौलाराम ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के अनुसार वह 27 सितंबर को अपनी गाड़ी लेकर जोधपुर आया था। तब नागौर जिले के कुचेरा मूंडवा निवासी रामकिशोर, नरेंद्र गहलोत जोधपुर आए। यह लोग स्थानीय माता का थान पुलिस थाने के एएसआई के साथ मिलकर उसका अपहरण किया। पुलिस की आरंभिक पड़ताल में सामने आया कि गाड़ी उसका मालिक ही लेकर गया है। गाड़ी का ऑक्शन हो रखा है, लेन देन बाकी था। पीड़ित ने एएसआई सहित अन्य को नामजद कर अपहरण में रिपोर्ट दी है।

प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत गोविंद गुरु विश्वविद्यालय के कुलगुरु बने

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत को गोविंद गुरु जनजातीय वि.वि., बांसवाड़ा का कुलगुरु नियुक्त किया है। राज्यपाल एवं विवि के कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने इस संबंध में 17 अक्टूबर को नियुक्ति आदेश जारी किया। प्रो. सारंगदेवोत की नियुक्ति को जनजातीय अंचल में उच्च शिक्षा के विस्तार और वि.वि. की शैक्षणिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राज्यपाल की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया कि प्रो. सारंगदेवोत का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष अथवा 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक रहेगा। इनमें से जो भी अवधि पहले पूरी होगी, उसी के अनुसार कार्यकाल निर्धारित होगा। यह नियुक्ति सक्षम प्राधिकारी की ओर से सतर्कता संबंधी अनापत्ति प्रस्तुत किए जाने के अधीन रहेगी। प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर में कुलपति के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनके अनुभव को देखते हुए अब उन्हें बांसवाडा स्थित गोविंद गुरु जनजातीय वि.वि. की जिम्मेदारी सौंपी है।

प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत

कुलगुरु के रूप में उनके सामने वि.वि. की शैक्षणिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने, शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां रहेंगी। गोविंद गुरु जनजातीय वि.वि. दक्षिण राजस्थान के जनजातीय अंचल में उच्च शिक्षा के प्रसार की दृष्टि से महत्वपूर्ण संस्थान है। ऐसे में वि.वि. के समक्ष गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों, शोध एवं नवाचार को बढावा देने और ग्रामीण तथा जनजातीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा तक पहुंच बेहतर बनाने जैसी प्राथमिकताएं हैं। नई नियुक्ति के साथ वि.वि. के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों को गति देने की अपेक्षा रहेगी। साथ ही विद्यार्थियों के हितों, अकादमिक गुणवत्ता और क्षेत्र की शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं को आगे बढ़ाना भी नए कुलगुरु के लिए अहम रहेगा।

- **राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने नियुक्ति आदेश जारी किया**
- **तीन वर्ष या 70 वर्ष की आयु पूरी होने तक जिम्मेदारी संभालेंगे सारंगदेवोत**

युवक की हत्या का फरार मुल्जिम गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पूर्व में मथानिया थाना क्षेत्र के बालरवा गांव में बस स्टैंड के पास नौ अक्टूबर को युवक की धारदार हथियार से हत्या के प्रकरण में फरार चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रकरण में दो लोगों को नामजद किया गया था, जिसका एक मुल्जिम अब पुलिस के हत्थे चढ़ा है। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है। घटना के संबंध में मृतक के पिता मंगलाराम ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

मथानिया थाने के एसआई प्यारेलाल ने बताया कि बालरवा निवासी रुपाराम कृषि कार्य करता था। वह 9 अक्टूबर को घर आया हुआ था। शाम करीब साढ़े छह से सात बजे के बीच वह बालरवा बस स्टैंड गया था। आरोप है कि वहां प्रेमाराम निवासी बालरवा और ओमाराम निवासी 18 मील, बावरियों की ढाणी सहित अन्य लोगों ने रुपाराम पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में रुपाराम की मौके पर ही मौत हो गई। बाद शव अस्पताल पहुंचाया गया।

साइबर ठगों ने दो लोगों के बैंक एकाउंट से 4.92 लाख की राशि पार की

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के दो पुलिस थाना क्षेत्र में साइबर ठगी के प्रकरण दर्ज हुए हैं। जीरो नंबर एफआईआर पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किए हैं। एक में पीड़ित को ऑनचालान ई-चालान का लिंक भेजा गया, दूसरे में यूपीआई के मार्फत रकम निकाली गई।

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि सीताराम नगर शोभावतों की ढाणी निवासी सोनराज पुत्र जीवराज प्रतापत की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि 14 अक्टूबर को उसके मोबाइल पर ई-चालान का लिंक आया था, जिसे क्लिक किए जाने पर उसके बैंक खाते से 1.87 लाख रूपए अलग-अलग किश्तों में निकाल लिए गए। रुपए निकलने के बाद पता चला कि यह किसी साइबर ठग की करतूत थी। लिंक किसी साइबर ठग ने भेजा था। घटना को लेकर उसकी तरफ से साइबर पोर्टल पर भी शिकायत दी गई। अब चौहाबो पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। ठग के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

- **ई-चालान का लिंक भेजकर 1.87 लाख और यूपीआई के जरिए 3.05 लाख पार किये**

वहीं सेक्टर 18 सीएचबी की रहने वाली तोषी पत्नी हिमांशु माथुर की तरफ से रिपोर्ट दी गई कि 14 अक्टूबर को किसी शातिर ने उसके बैंक खाते से यूपीआई के जरिए 3 लाख 5 हजार रूपए निकाल लिए। इसका पता मोबाइल पर आए संदेश से चला। बाद में उनके द्वारा साइबर पोर्टल पर भी शिकायत दी गई।

जैसलमेर में दो बाइकों की भिड़ंत, एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

जैसलमेर, (निसं)। शहर के किशनघाट रोड इलाके में शुक्रवार रात दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में 24 वर्षीय प्रेम कुमार की मौत हो गई, जबकि 22 वर्षीय गणपत गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रेम कुमार अपनी बाइक से किशनघाट की ओर से गफूर भट्टा की तरफ जा रहा था, जबकि गणपत शहर से किशनघाट की ओर जा रहा था। इसी दौरान दोनों बाइक सवार आगे चल रहे वाहनों को ओवरटेक करने की कोशिश में आमने-सामने भिड़ गए। टक्कर इतनी तेज थी कि प्रेम कुमार की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद राहगीरों ने दोनों घायलों को जवाहिर अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने प्रेम कुमार को मृत घोषित कर दिया, जबकि गणपत की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जोधपुर रेफर कर दिया गया। मृतक के शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। शहर कोतवाल प्रेमाराम विश्नोई ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों बाइक सवारों के ओवरटेक करने की जल्दबाजी के दौरान दुर्घटना हुई। फिलहाल परिजनों की ओर से मामला दर्ज नहीं करवाया गया है। पुलिस आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के साथ हादसे के कारणों की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

- **ओवरटेक करने की जल्दबाजी में किशनघाट रोड पर हुआ हादसा, घायल जोधपुर रेफर**